

Exam. Code : 214802

Subject Code : 3784

M.A. 2nd Semester

MUSIC INSTRUMENTAL

Paper—VI

(An Analytical Study of Granthas)

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—100

Note :— (i) Attempt **FOUR** questions in all including Question No. 1, which is compulsory.

(ii) All questions carry equal marks.

1. Write brief notes on any **TWO** of the following :

12½+12½

(i) Write about the subject matter of Chaturdandi Prakashika.

(ii) Discuss 28th Chapter of Natyashastra.

(iii) Throw light on Prakirnaka Adhyaya of Sangeet Ratnakara.

(iv) Importance of Bhartiya Sangeet Vadya in study of historical development of music. Discuss.

2. Discuss the 28th to 33rd chapter of Natyashastra. 25

3. Throw light on subject matter of Sangeet Parijat. 25

4. Write about the contribution of Pt. Vyankatmukhi towards classification of Raga. 25
5. What is the importance of Pranav Bharti in the studies of music ? Explain. 25
6. Discuss the subject matter of Sangeet Chintamani. 25

(PUNJABI VERSION)

ਨੋਟ :— (i) ਕੁਲ ਚਾਰ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕਰੋ। ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 1 ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ।

(ii) ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਅੰਕ ਬਰਾਬਰ ਹਨ।

1. ਨਿਮਨਲਿਖਿਤ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸੇ ਦੋ ਤੇ ਇੱਕਪਤ ਨੋਟ ਲਿਖੋ :

12½+12½

(i) 'ਚਤੁਰਦੰਡੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਕਾ' ਦੀ ਵਿਸ਼ੇ-ਵਾਤੂ ਉੱਪਰ ਟਿੱਪਣੀ ਲਿਖੋ।

(ii) ਨਾਟਯਸ਼ਾਸਤਰ ਦੇ 28ਵੇਂ ਅਧਿਆਏ ਦੀ ਚਰਚਾ ਕਰੋ।

(iii) ਸੰਗੀਤ ਰਤਨਾਕਰ ਦੇ ਪਰਕੀਰਣਕ ਅਧਿਆਏ ਉੱਪਰ ਰੋਸ਼ਨੀ ਪਾਉ।

(iv) ਸੰਗੀਤ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸਕ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਅਧਿਐਨ ਵਿੱਚ ਭਾਰਤੀ ਸੰਗੀਤਵਾਦ ਦਾ ਮਹੱਤਵ।

2. नाट्यशास्त्र के 28वें से 33वें अध्यायों की चर्चा करो। 25
3. संगीत परीक्षा के विज्ञे-वस्तु उपर रोशनी पाओ। 25
4. शास्त्र के वर्गीकरण के पंडित वल्लभभास्कर के योगदान बताने। 25
5. संगीत के अध्यायों में से "पूजा भाग्य" का की महत्त्व है? विचारित करो। 25
6. संगीत परीक्षा के विज्ञे-वस्तु की चर्चा करो। 25

(HINDI VERSION)

नोट :— (i) कुल चार प्रश्नों के उत्तर दें जिनमें प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें :
12½+12½
(i) चतुर्दशी प्रकाशिका की विषय वस्तु पर टिप्पणी लिखें।
(ii) नाट्यशास्त्र के अष्टादशवें अध्याय की चर्चा करो।
(iii) संगीत रत्नाकर के प्रकीर्णक अध्याय पर प्रकाश डालिये।
(iv) भारतीय संगीत के विकास के अध्ययन में 'संगीत वाद्य' ग्रन्थ के महत्त्व की चर्चा कीजिये।
2. नाट्यशास्त्र के 28 से 33 अध्यायों की चर्चा कीजिये। 25

3. संगीत पारिजात की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिये। 25
4. राग वर्गीकरण सिद्धान्त में पंडित व्यंकटमुखी के योगदान के विषय में लिखें। 25
5. संगीत के अध्ययन में 'प्रणव भारती' ग्रन्थ की क्या महत्ता है ? समझाएँ। 25
6. 'संगीत चिन्तामणि' की विषयवस्तु पर चर्चा कीजिये। 25